परमेश्वर ने आज्ञाकारी नूह को सज़ा से बचाया।

बपतिस्मे की शिक्षा भी साथ साथ करें।

उन क्रियाओं को चुनिये जो बच्चों की आयु और आवश्यकताओं को पूरा करें।

शिक्षक अपने आपको बाइबल अध्ययन और प्रार्थना के द्वारा तैयार करें। पढ़ें उत्पत्ति अध्ययन 6,7 और 8 और उन महत्वपूर्ण बातों को लिखिये जो बाढ़ के बारे में हैं।

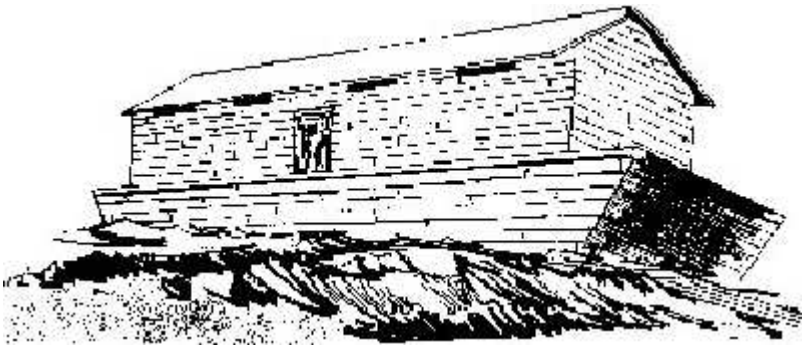

खोजें .....

- 6:5-9 में देखें कि नूह किस प्रकार का व्यक्ति था।
- 6:5-9 में देखें कि परमेश्वर ने उन मनुष्यों को जिन्हें उसने स्वयं बनाया था बाढ़ के द्वारा नष्ट क्यों किया।
- 6:13-22 में देखें कि नूह ने परमेश्वर की आज्ञा को कैसे माना और एक बड़ी किश्ती बनाई जिसे जहाज कहा।
- 7:8-9 में देखें कि परमेश्वर नूह के परिवार के साथ और किसको जहाज में लाया।
- 8:14-22 में देखें नूह ने क्या करके परमेश्वर को प्रसन्न किया बाढ़ के बाद।

नूह और बाढ़ की कहानी बतायें। आप किसी बड़े बच्चे को इसके लिये तैयार कर सकते हैं।

नूह का प्राणियों को जहाज के अन्दर करते हुये नाटक दिखायें। आराधना के नेता के साथ मिलकर तैयार करें और श्रोताओं के सामने प्रस्तुत करें। बड़े बच्चे छोटे बच्चों की तैयारी में सहायता करें।

- बच्चे कुछ प्राणियों के नाम बताएँ जिन्हें नूह ने जहाज में रखा। (गायें, भेड़, बंदर चीते, कुत्ते बिल्लियाँ गधे कंगारू खरगोंश इत्यादि)
- बच्चों को जोडी में तैयार करें कि उन्हें कौन से प्राणि जैसा दिखना है।
- बच्चों को पता लगाने दे ये कौन से प्राणी हैं उनकी चाल और उनकी आवाज़ से जैसे शेर दहाड़ते हैं, चीते गुर्राते हैं, गधे रेंगते हैं, भेड़ मिमयाती है, और बैल मुँ करते हैं। (उनके सिर पर सींग बनायें उंगलियों द्वारा दर्शाते हुये) इत्यादि।
- एक बड़े बच्चे को नूह का भाग करने दें, प्राणियों को जहाज़ में रखते हुये दिखायें। वे दो साथ आएँ। नूह उन्हें बताये, "जल्दी करो! बड़े जहाज़ के अंदर आ जाओ क्योंकि एक बड़ी बाढ़ आने वाली है!"
- जैसे एक एक जोड़ा जहाज़ में प्रवेश करता है, उन्हें हाथ पैर घुटनों पर चलने दे और कूदने दें अगर वे कंगारू या खरगोश हैं। उन प्राणियों की आवाज़ें उन्हें निकालने दें जिन्हें वे दिखा रहे हैं। हाथी साधारण तरीके से चलें झुक कर एक भुजा हवा में और पीछे की तरफ हाथी की सूंड को दर्शाती हुई।

बच्चों को उन प्राणियों के चित्र बनाने दें जिनको उन्होंने नाटक में खेला है। बड़े बच्चे छोटे बच्चों

की सहायता करें। (नीचे दिये गये उदाहरण चित्रों को देखें)

बच्चों से उन प्रश्नों को पूछें जो भाग 1 के नीचे दिये गये हैं, कहानी के विषय में।

- अगर आप नूह और प्राणियों की कहानी श्रोताओं को बताते हैं तो इन श्रोताओं को सोचने दें कि ये कौन सा प्राणी है। और बच्चे श्रोताओं से कुछ प्रश्न भी पूछें।

बच्चे एक जहाज़ पानी पर दिखाते हुये **चित्र बानायें।**

- बच्चों से प्रश्न पूछें किस तरह जहाज़ दर्शाता है कि परमेश्वर ने हम विश्वासियों को अपने पापों में मसीह के द्वारा बचाया किस प्रकार से यीशु जहाज की तरह है?

एक छोटी कविता और गीत नूह और उसके जहाज पर लिखें। बच्चे उस को बतायें या अपने माता पिता को घर में गा कर सुनायें और बालिकों को आराधना के बीच में, जो उन्होंने लिखा है।

बच्चों को नीचे दिये गये चित्र उदाहरण की तरह दिखायें ताकि उन्हें वह उतार सकें। उन्हें बतायें कि वह इन प्राणियों को बना सकते हैं या और कोई अपनी इच्छा से।

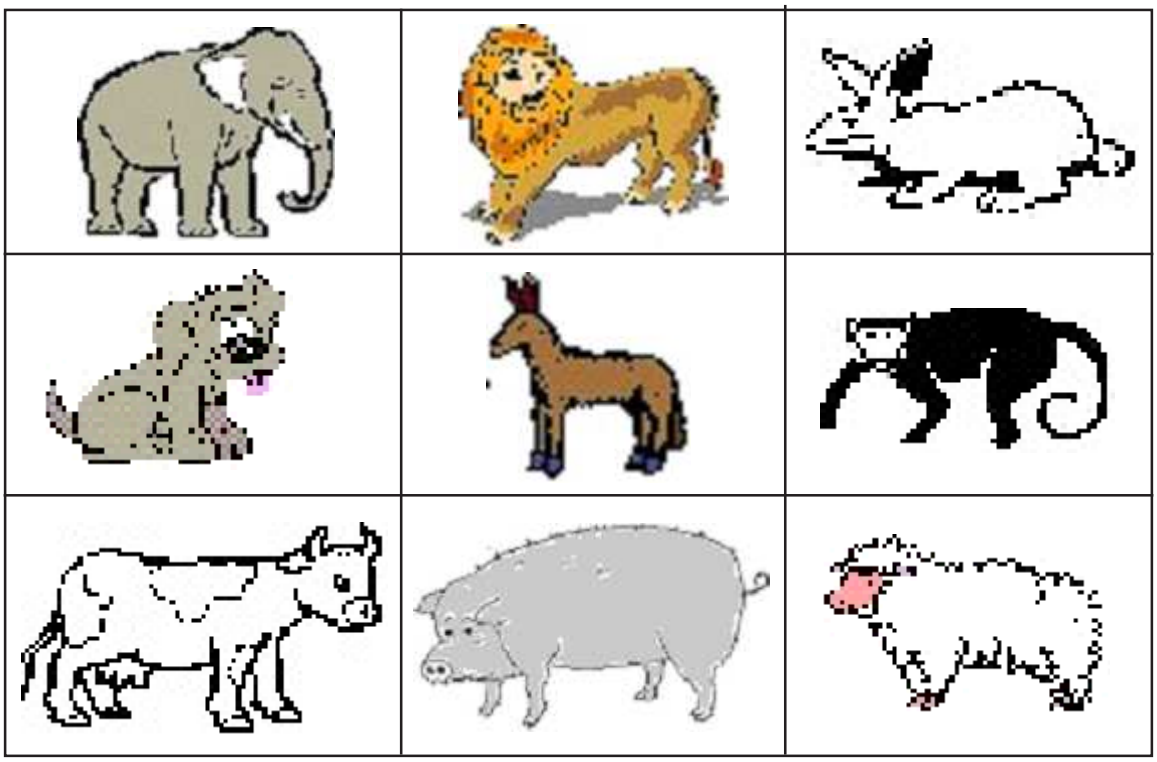

कविता : चार बच्चे एक एक आयत भजन 32 की वर्णन करें। आयतें 1,3,5 और 7:

"धन्य हैं वे जिनके अपराध क्षमा किये गये, और पाप ढाँपे गये"।

"जब मैं चुप रहा, तो मेरी हिड्डयाँ कराहते हुये घुल गई।"

"तब मैंने अपने पाप आप से बताये। मैंने कहा मैं अपने अपराध परमेश्वर के सामने अंगीकार करता हूँ और आपने मेरे पापों की चुभन को क्षमा किया।"

"तू मेरे छिपने का स्थान है, तू मुझे मुसीबत से बचायेगा और मुझे छुटकारे के जीत से घेरे रहेगा।"

याद करें प्रेरितों के काम 2:38

बड़े बच्चे एक छोटी कहानी लिखें।

- उस बच्चे की कहानी लिखें जिसमें उसके बुरे मित्रों ने उसे एक दुकान से वस्तुएँ चोरी करने के लिये तैयार किया। वह मना करता है। वह उससे गुस्सा होते हैं और उसे बुरे नामों से पुकारते हैं।
- वे दुकान में जाते हैं और चोरी करते हुये पुलिस पकड़ती है और जेल में बंद कर देती है।
- पहला बच्चा उनसे मिलने जाता है और उनके लिये खाना ले जाता है।

बच्चे इस कहानी में कुछ भी जोड़े और जिस प्रकार से वे चाहते हैं उसे समाप्त करें। कहानी द्वारा हमें ये पता चलना चाहिये और एक उदाहरण की तरह होना चाहिये पाप को सज़ा से बचाया।

प्रार्थना: "पिता हम आपकी स्तुति करते हैं क्योंकि यीशु के द्वारा आपने हमें सुरक्षित स्थान दिया जिससे हम परमेश्वर की सज़ा से बच सकें, जैसे कि आपने नूह, उसकी पत्नी और उनके बच्चों के साथ किया। यीशु के नाम में आमीन।"

Copyright 2004 © by Paul-Timothy. May be freely copied. Download from www.Paul-Timothy.net